

# डीआरडीओ समाचार



<https://www.drdo.gov.in/samachar>

ISSN: 0971-4405

सितम्बर 2024 खण्ड 36 अंक 09

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

## डीआरडीओ ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस- अंतरिक्ष शक्ति मनाया



डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें



मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव

सह मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण

संपादक: दीप्ति अरोरा

सहायक संपादक: धर्म वीर

अनुवादक: अनुराग कश्यप

प्रकाशन का ३६वां वर्ष

सितम्बर 2024 खण्ड 36 अंक 09

## हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
बेंगलूरु	:	श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
	:	श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
	:	श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
	:	डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
	:	डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल)
	:	डॉ वी संधिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई)
	:	श्रीमती साईमा बशीर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
	:	सुश्री मीता जन, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल)
	:	डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री डी पी त्रिपाठी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
	:	श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री हेमंत कुमार, विस्फोटक तथा पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सीफीस)
	:	डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
	:	श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
	:	श्रीमति अरुण कमल, डीपीए आर ओ एंड एम, डीआरडीओ मुख्यालय
	:	श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
	:	डॉ सुजाता दास, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
	:	श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
	:	डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
	:	श्री श्रीनिवास जुलुरु, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल)
	:	श्री ए आर सी मुर्ती, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
	:	श्री एस शशी नाथ, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
	:	डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
	:	डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)





## इस अंक में

मुख्य लेख .....	4
परीक्षण .....	6
डीआरडीओ लोगो: ब्रांड पहचान एवं गौरव .....	9
घटनाक्रम .....	10
अवसंरचना विकास .....	15



मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप .....	16
खेल गतिविधियाँ .....	28
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम .....	29

वर्तमान अंक, DRDO Newsletter, Vol 44, Issue 9, September 2024, का हिंदी अनुवाद है।

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:  
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in  
दूरभाष: 011-23902403, 23902472, फैक्स: 011-23819151

## डीआरडीओ ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस- अंतरिक्ष शक्ति मनाया

23 अगस्त, 2023 को भारत दुनिया के उन चंद्र देशों में से एक बन गया जो चांद्र पर उतरे, साथ ही भारत चांद्र के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में पहुँचने वाला पहला देश भी बन गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का सम्मान करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री ने 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की। भारत अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त 2024 को मनाएगा, जिसका विषय होगा 'टचिंग लाइव्स व्हाईल टचिंग दी मून: इंडियाज स्पेस सागा'।

डीआरडीओ ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति का सम्मान करने तथा वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के

लिए कई कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, और गतिविधियों के साथ 9 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 'अंतरिक्ष शक्ति' भी मनाया। डीआरडीओ भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय में भारतीय वैज्ञानिकों के महत्वपूर्ण योगदान और अंतरिक्ष अन्वेषण में निरंतर नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला गया। श्रीमती निधि बंसल, निदेशक, टीडीएफ, तथा डॉ अनुपम शर्मा, निदेशक, डीएसपी, ने डीआरडीओ भवन में इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समन्वय और आयोजन किया।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, ने सभी गणमान्य व्यक्तियों को स्वागत सम्बोधन दिया, जिससे एक दिन की

गहन चर्चा और रणनीतिक योजना के लिए मंच तैयार हो गया। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के महत्व पर प्रकाश डाला और नागरिक एवं रक्षा दोनों अनुप्रयोगों के लिए निजी उद्योगों को शामिल करके अंतरिक्ष क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

डॉ वी के सारस्वत, नीति आयोग के सदस्य, ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रस्तुत हो कर इस अवसर की शोभा बढ़ाई तथा डॉ पीएस गोयल, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे।

डॉ सारस्वत ने रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए 'भारत के





अंतरिक्ष उद्योग को आकार देने के लिए संभावनाएँ विषय पर मुख्य संबोधन दिया।

इस कार्यक्रम में महानिदेशकों, वित्तीय अधिकारियों, डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के निदेशकों, कॉर्पोरेट निदेशकों, और कई अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों सहित डीआरडीओ अधिकारियों की बड़ी भागीदारी देखी गई। उनकी सामूहिक उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे अंतरिक्ष रक्षा प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में मूल्यवान चर्चा और सहयोग को बढ़ावा मिला। अकादमिक जगत का प्रतिनिधित्व करने वाले पीईसी चंडीगढ़, एमिटी यूनिवर्सिटी, और जीडी गोयनका जैसे संस्थानों ने इस कार्यक्रम में उदारतापूर्वक अपने शोध और विचारों को साझा किया। विभिन्न उद्योग संघों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान, मुख्य अतिथि ने रिबन काटकर डीआरडीओ भवन में एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स सहित बड़ी संख्या में उद्योग प्रतिभागियों ने अपनी अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतिभागियों, जैसे एस्ट्रोगेट लैब्स प्राइवेट लिमिटेड; एकोर्ड सॉफ्टवेयर्स एंड सिस्टम्स लिमिटेड; गैटेक; जिस्नू कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड; अजिस्ता इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड; और मनस्तु ने अपनी अभिनव अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों और उत्पादों का प्रदर्शन किया। आईआईटी मुंबई के इनस्पेसिटी स्पेस लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के प्रोफेसर अरिंद्रजीत चौधरी ने अंतरिक्ष मलबे को हटाने के लिए अपने उन्नत रोबोटिक वर्किंग मॉडल आर्म का प्रदर्शन किया।

डॉ अनुपम शर्मा, निदेशक, डीएसपी, द्वारा एक परिपूर्ण वार्ता में उन डोमेन क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया, जहां डीआरडीओ अंतरिक्ष रक्षा प्रौद्योगिकियों पर व्यापक रूप से काम कर रहा है और अंतरिक्ष डोमेन में खोजे जाने वाले विभिन्न संभावित क्षेत्रों की भी गणना की गयी।

डॉ चंद्रिका कौशिक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (पीसी एंड एसआई) ने प्रौद्योगिकी विकास के लिए डीआरडीओ की पहल पर एक व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में अंतरिक्ष अन्वेषण के भविष्य पर एक पैनल चर्चा भी हुई, जहां पैनल के अध्यक्ष डॉ सुब्रत रक्षित विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (टीएम एंड एसएम) के साथ-साथ एवीएम पवन कुमार वीएम, डीजी डीएसए, और इसी तरह के क्षेत्रों में डीआरडीओ और अनुसंधान उद्योग के अन्य प्रतिनिधियों ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। पैनल ने 'विनिंग दी पीस फॉर विनिंग दी वॉर' के आदर्श वाक्य के तहत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और नागरिक एवं सैन्य बलों के संलयन के महत्व को रेखांकित किया।

युवा कौशल को जोड़ने और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनकी रुचि जगाने के लिए कार्यशालाओं और संवादात्मक सत्रों की एक श्रृंखला भी आयोजित की गई। इस दिन का समापन श्रीमती बंसल द्वारा एक प्रभावशाली घोषणा के साथ हुआ, जिन्होंने अंतरिक्ष रक्षा प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तीन डीप टेक चुनौतियों का अनावरण किया। श्रीमती बंसल ने इन चुनौतियों को नवाचार को बढ़ावा देने और अत्याधुनिक समाधानों को प्रेरित करने के लिए निर्धारित किया, जो तकनीकी उत्कृष्टता के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए एक दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पहल अंतरिक्ष सुरक्षा के क्षेत्र में जटिल चुनौतियों से निपटने में सहयोग, आत्मनिर्भरता, और सरलता के महत्व को रेखांकित करती है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम 'अंतरिक्ष शक्ति' में न केवल पिछली उपलब्धियों का जश्न मनाया गया, बल्कि भविष्य की प्रगति के लिए आधारशिला भी रखी, जिससे प्रतिभागियों को भारत की अंतरिक्ष यात्रा में योगदान देने की प्रेरणा मिली।



## डीआरडीओ द्वारा द्वितीय चरण की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली का सफलतापूर्वक उड़ान-परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 24 जुलाई 2024 को द्वितीय चरण की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया।

भूमि और समुद्र पर तैनात रडार हथियार प्रणाली ने लक्ष्य मिसाइल का पता लगाया, एक विरोधी बैलिस्टिक मिसाइल की नकल की, और एडी इंटरसेप्टर प्रणाली को सक्रिय किया।

द्वितीय चरण की एडी एंडो-एटमॉस्फेरिक मिसाइल को एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर, में एलसी-III से लॉन्च किया गया। उड़ान परीक्षण ने सभी परीक्षण उद्देश्यों को पूरा किया, तथा लो-रेंज सेंसर, लो-लेटेंसी संचार प्रणाली और एमसीसी एवं उन्नत इंटरसेप्टर मिसाइलों से युक्त एक पूर्ण

नेटवर्क-केंद्रित युद्ध हथियार प्रणाली को मान्य किया।

परीक्षण ने 5000 किमी श्रेणी की बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव करने की देश की स्वदेशी क्षमता का प्रदर्शन किया।

मिसाइल के प्रदर्शन का मूल्यांकन आईटीआर, चांदीपुर, द्वारा विभिन्न स्थानों एवं ऑनबोर्ड शिप्स पर तैनात इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल प्रणाली, रडार और टेलीमेट्री स्टेशनों जैसे रेंज ट्रैकिंग उपकरणों द्वारा कैचर किए गए उड़ान डेटा का उपयोग करके किया गया।

चरण-II एडी एंडो-एटमॉस्फेरिक मिसाइल, एक स्वदेशी रूप से विकसित दो-चरणीय ठोस-प्रोपेल्ड जमीन से प्रक्षेपित मिसाइल प्रणाली है, जिसका उद्देश्य एंडो से लेकर लो एक्सो-वायुमंडलीय क्षेत्रों की ऊंचाई

वाले ब्रैकेट में आने वाले विभिन्न दुश्मन बैलिस्टिक मिसाइल खतरों को नाकाम करना है। मिसाइल प्रणाली में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित कई अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ की सराहना की और कहा कि डीआरडीओ ने एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा क्षमता का प्रदर्शन किया है।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डी डी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ, ने डीआरडीओ की पूरी टीम को उनके अटूट प्रयास और योगदान के लिए बधाई दी, जिसके परिणामस्वरूप उड़ान परीक्षण सफल रहा।

## डीआरडीओ ने लेजर निर्देशित ATGM का सफल उड़ान परीक्षण किया

25 जून 2024 को, केके रेंज, ACC&S अहमदनगर, में एमबीटी अर्जुन मार्क-I टैंक ने स्वदेशी रूप से विकसित लेजर-गाइडेड ATGM का सफल परीक्षण किया। इस परीक्षण में, ATGM ने न्यूनतम दूरी पर स्थित लक्ष्य को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। टैंक चालक दल ने एमबीटी अर्जुन मार्क-I के अंतिम प्रयोगकर्ता कॉन्फिगरेशन से फायरिंग परीक्षण किया। इससे एमबीटी अर्जुन मार्क-I को मिसाइल फायरिंग क्षमता (MFC) प्रदान की गई, जिससे ATGM परियोजना के सभी उद्देश्य पूरे हो गए। भारत का पहला पूरी तरह से स्वदेशी लेजर-निर्देशित ATGM अब उपयोगकर्ता



लेजर गाइडेड एटीजीएम

मूल्यांकन के लिए तैनात किया जाएगा।

डीआरडीओ के पुणे स्थित आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), ने एचईएमआरएल, आईआरडीई, और सीवीआरडीई के सहयोग से इस एटीजीएम को विकसित किया है।

ACC&S अहमदनगर की टीमों ने इस परीक्षण के लिए सहयोग प्रदान किया। एआरडीई, नोडल एजेंसी और सिस्टम डिजाइनर है, जबकि एचईएमआरएल ने प्रणोदक और इग्नाइटर चार्ज विकसित किए हैं, आईआरडीई ने लेजर सीकर और डिजाइनेटर विकसित किया है, और सीवीआरडीई ने एमबीटी अर्जुन टैंक के





1.5 किमी पर लक्ष्य हिट

साथ FCC और LTD एकीकरण किया है। ATGM 1.5 से 5 किमी की रेंज में ERA-संरक्षित चलते हुए बख्तरबंद वाहनों को हराने के लिए एक टेंडेम HEAT वारहेड का उपयोग करता है। ATGM प्रणाली कॉन्फिगरेशन को इस तरह से विकसित किया गया है कि इसे उपयुक्त संशोधनों के साथ टैंक गन,



लॉन्च प्लेटफॉर्म: एमबीटी अर्जुन

ट्राइपॉड लॉन्चर और बीएमपी जैसे कई प्लेटफॉर्मों से लॉन्च किया जा सकता है। यह डीआरडीओ द्वारा विकसित पहला लेजर-निर्देशित एटीजीएम है।

प्रणाली का विकास पूर्ण स्वदेशी प्रयासों का परिणाम था। ATGM एमबीटी अर्जुन की मारक क्षमता में काफी वृद्धि करेगा।

## नागपुर में पेकोरा सस्टेनर हजार्ड वर्गीकरण परीक्षण

सुपर लार्ज स्केल गैप टेस्ट (SLSGT) को एक ठोस रॉकेट मोटर प्रणोदक पर सिंगल पैकेज और स्टैक परीक्षण के विकल्प के रूप में किया जा सकता है। परीक्षण का उद्देश्य यह निर्धारित करना है कि प्रणोदक एक स्थिर शॉक फ्रंट बनाए रखेगा या नहीं; यदि ऐसा है, तो यह HD 1.1 वर्ग का है; अन्यथा, यह HD 1.3 वर्ग का है। 23-24 जुलाई 2024 के दौरान, विस्फोट परीक्षण रेंज, बोर्कहेड़ी नागपुर, ने SLSGT के आधार पर पेकोरा सस्टेनर हजार्ड वर्गीकरण परीक्षण किया। सस्टेनर चार्ज के मुख्य घटक अमोनियम परक्लोरेट, एल्युमिनियम पाउडर, और हाइड्रोक्सी-टर्मिनेटेड पॉलीब्यूटाडीन पर हजार्ड डिवीजन के लिए दो परीक्षण किए गए। 23 जुलाई 2024 को, पहला परीक्षण हुआ, जिसमें पेकोरा सस्टेनर चार्ज को नियंत्रण कक्ष से 300 मीटर की दूरी पर MS विटनेस प्लेट पर लंबवत रखा गया। शॉर्टिंग



पिन को सस्टेनर के माध्यम से शॉक फ्रंट वेग को मापने के लिए तैनात किया गया। पेंसिल प्रोब्स को 10 मीटर, 21 मीटर, और 32 मीटर की दूरी पर दो दिशाओं में ओवरप्रेसर डेटा मापने के लिए रखा गया। 60 k कंपोजिशन B का डोनर चार्ज 70 मिमी पर्सपेक्स के गैप के साथ प्रणोदक चार्ज के ऊपर एकत्र किया गया, जो 70 किलोबार (इंसिडेंट प्रेशर) का दबाव प्रसारित करता है।

24 जुलाई 2024 को, समान सेटअप का उपयोग करके दूसरा परीक्षण किया गया। पुष्टिकरण परीक्षण डॉ सुब्रतो रक्षित, महानिदेशक (एसएएम), वायु सेना, और बीडीएल हैदराबाद, के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।



## एएचएसपी ने डीआरडीओ से डीजीक्यूए को निपुण एम्युनिशन हस्तांतरित किया

निपुण एक सॉफ्ट टारगेट एम्युनिशन है जिसे आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे, द्वारा उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे, के सहयोग से डिजाइन और विकसित किया गया है। GSQR-आधारित मूल्यांकन के सफल समापन के बाद भारतीय सेना ने निपुण एम्युनिशन को शामिल किया है। दो भारतीय निजी उद्योगों, अर्थात् मेसर्स ईईएल, नागपुर, और मेसर्स पीईएल, सिकंदराबाद, ने डीआरडीओ से निपुण तकनीक को लिया है। ये दोनों उद्योग वर्तमान में भारतीय सेना के खरीद आदेश के अनुसार वृहत उत्पादन कर रहे हैं। भारतीय सेना को अब तक 20 टन से अधिक गोला-बारूद प्राप्त हुआ है।

एआरडीई ने अप्रैल 2024 में पहला प्री-डिस्पैच निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसमें प्रत्येक PA के लिए



निपुण गोला-बारूद के 10 से अधिक अनुगामी दोषरहित लॉट को मंजूरी दी गई। 6 अगस्त 2024 को एआरडीई में निपुण एम्युनिशन को डीआरडीओ से डीजीक्यूए को सौंपने के लिए प्राधिकरण होल्डिंग सील्ड पार्टिकुलर्स (एएचएसपी) हस्तांतरण समारोह आयोजित किया।

इस समारोह में मेजर जनरल जे

जेम्स, नियंत्रक सीक्यूए (ए), खड़की, पुणे, अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर श्री ए राजू, निदेशक, एआरडीई, ने निपुण के सीलबंद विवरण नियंत्रक को सौंपे। डीआरडीओ के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि ये युद्ध सामग्री भारतीय सेना की युद्ध क्षमताओं में भारी वृद्धि लाएगी।





## डीआरडीओ लोगो: ब्रांड पहचान एवं गौरव

डीआरडीओ की आत्मनिर्भरता की सतत खोज और अग्नि एवं पृथ्वी मिसाइलों की श्रृंखला जैसे सामरिक प्रणालियों तथा प्लेटफार्मों के सफल स्वदेशी विकास और उत्पादन; लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट-तेजस; मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर-पिनाका; वायु रक्षा प्रणाली-आकाश; रडार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स युद्ध प्रणालियों की एक विस्तृत श्रृंखला; आदि ने भारत की सैन्य शक्ति को विशाल बल, प्रभावी निवारण और महत्वपूर्ण लाभ प्रदान किया है।

“बलस्य मूलं विज्ञानम्” एक संस्कृत वाक्यांश है जिसका अर्थ है कि शक्ति का स्रोत विज्ञान है, जो राष्ट्र को शांति और युद्ध में आगे बढ़ाता है। डीआरडीओ का दृढ़ संकल्प है कि वह राष्ट्र को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मजबूत और आत्मनिर्भर बनाए, खासकर सैन्य प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में।

### ब्रांड पहचान के रूप में लोगो

ब्रांड पहचान उन सभी तत्वों का संग्रह है जो एक संगठन अपने उपभोक्ताओं को सही छवि दिखाने के लिए बनाता है। ब्रांड दुनिया की नजर में कंपनी/संगठन की धारणा है। ब्रांडिंग शब्द का अर्थ है किसी विशिष्ट ब्रांड को सक्रिय रूप से आकार देने की मार्केटिंग प्रैक्टिस।

ब्रांड पहचान वह है जो किसी संगठन को हितधारकों के लिए तुरंत पहचानने योग्य बनाती है। दर्शक ब्रांड पहचान को उत्पाद या सेवा से

जोड़ते हैं, और वह पहचान ही संगठन और हितधारकों के बीच संबंध बनाती है, हितधारकों की वफादारी बनाती है, और यह निर्धारित करती है कि वे आपके ब्रांड को कैसे देखते हैं। एक अच्छी तरह से निर्मित ब्रांड पहचान प्रभावी रूप से कंपनी के व्यक्तित्व और उसके उत्पाद मूल्य को संभावित ग्राहकों तक पहुंचाएगी। डीआरडीओ जैसे संगठन के लिए एक सच्ची ब्रांड पहचान में उम्मीदों और सपनों से लेकर, दृष्टिकोण और कार्यों से लेकर, चुनौतियों का सामना करने और चुने गए विकल्पों तक की संपूर्णता शामिल होती है। दुनिया की यह धारणा कि कैसे ये तत्व हमारे राष्ट्रीय जनादेश को पूरा करने के लिए सामूहिक रूप से कैसे काम करते हैं, डीआरडीओ की ब्रांड पहचान की सफलता को मापती है।

लोगो किसी संगठन की दृश्य ब्रांड पहचान का एक महत्वपूर्ण तत्व

है, इसलिए इसे सावधानीपूर्वक योजना, शोध, और विस्तार पर ध्यान देकर डिजाइन किया जाना चाहिए। किसी संगठन का लोगो अक्सर उसके विजन और मिशन के दृश्य प्रतिनिधित्व के रूप में कार्य करता है, और डीआरडीओ लोगो का उद्देश्य हमारी सशस्त्र सेवाओं और सरकार की प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में संगठन के मूल मूल्यों, लक्ष्यों, और आकांक्षाओं को एकीकृत रूप से संप्रेषित करना है।

### डीआरडीओ लोगो का प्रतीक

2019 में, भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के मार्गदर्शन में, डीआरडीओ मुख्यालय के सार्वजनिक इंटरफेस निदेशालय (DPI) ने वर्तमान डीआरडीओ लोगो को फिर से डिजाइन किया। उन्होंने इसे द्विभाषी बनाया और लोगो के शीर्ष पर हिंदी संक्षिप्त नाम डीआरडीओ जोड़ा। इसने रक्षा मंत्रालय में भारतीय प्रतीकवाद को अपनाने के निर्देश का पूर्वाभास दिया। डीआरडीओ लोगो, डीआरडीओ के विजन का प्रतीक है, जो भारत को अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों से सशक्त बनाने और तीनों सेवाओं द्वारा निर्धारित आवश्यकताओं के अनुसार हमारे सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों और उपकरणों से लैस करते हुए महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों एवं प्रणालियों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के मिशन को दर्शाता है।

डीआरडीओ लोगो संगठन की संचार रणनीति की दृश्य आधारशिला के रूप में कार्य करता है, जो इसकी ब्रांड पहचान बनाने और उसे बढ़ावा देने में मदद करता है, जिसमें



प्रत्येक डिजाइन तत्व को एक सुसंगत और सार्थक प्रतिनिधित्व बनाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। डीआरडीओ लोगो में डिजाइन तत्व और उनका संभावित महत्व इस प्रकार है:

❖ संकेन्द्रित वृत्त संगठन के सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं के लिए निरंतर नवाचार, विकास और प्रगति का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये डीआरडीओ के प्रभाव के विकास और विस्तार को अपनी विनम्र शुरुआत से दर्शाते हैं, जो आगे की गति और परिवर्तनकारी नेतृत्व की भावना को दर्शाता है।

❖ बाएं तरफ नीले बाहरी वृत्ताकार वलय के भीतर मौजूद तारा उत्कृष्टता का प्रतीक है और संगठन के दृढ़ प्रयासों तथा राष्ट्र के लिए मार्ग-बदलने वाले योगदानों का प्रमाण है, जबकि दाईं ओर का तारा निरंतर उत्कृष्टता

और नवाचार के भविष्य की आकांक्षाओं को दर्शाता है।

❖ मध्य वृत्त, जिसमें संगठन का नाम हिंदी और अंग्रेजी दोनों में है, डीआरडीओ द्वारा सशस्त्र बलों को सशक्त बनाने के लिए किए गए व्यापक 360-डिग्री R&D प्रयासों का प्रतिनिधित्व करता है जो भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और सहायता देने में डीआरडीओ की केंद्रीय भूमिका को उजागर करता है।

❖ आंतरिक वृत्त में भारतीय सशस्त्र बलों के लोगो के प्रमुख तत्व हैं, जो डीआरडीओ और सशस्त्र बलों के बीच घनिष्ठ सहयोग और सहज प्रयासों पर जोर देते हैं।

❖ आंतरिक वृत्त को भरने वाली हल्की पीली छाया जीवंतता, सकारात्मकता, डीआरडीओ मूल्यों के एक साथ होने, इसकी R&D गतिविधियों की गतिशील

प्रकृति और संगठन के भीतर सहयोगी भावना का प्रतीक है।

❖ डीआरडीओ विनाश के लिए नहीं, निवारक और शांति के लिए हथियार विकसित करता है। नीला रंग नम्रता, शांति, और प्रौद्योगिकियों के रचनात्मक उपयोग का प्रतीक है।

डीआरडीओ लोगो संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह नए मील के पत्थर हासिल करे, तकनीकी क्षितिज से आगे निकल जाए और इससे आगे बढ़कर डीआरडीओ के तकनीकी रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बनाने के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

विपिन कुमार कौशिक, निदेशक, डीपीआई  
अमित शर्मा, वैज्ञानिक 'डी', डीपीआई

संतोष कुमार चौधरी, वैज्ञानिक 'बी', डीआईपीआर

## डीआरडीओ ने मनाया 78वां स्वतंत्रता दिवस

### डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने 14 अगस्त 2024 को 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक, ने डेसीडॉक भवन के परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

इस अवसर पर श्री राम सिंह, हवलदार, डीएससी, एमएचएसयू कार्यालय, वरिष्ठ वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ध्वज बैज और डीआरडीओ बैज भी वितरित किए गए। भारत सरकार के अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' का समर्थन करने के लिए निदेशक, डेसीडॉक, तथा डेसीडॉक के अधिकारियों द्वारा 30 पौधे लगाए गए। डेसीडॉक के कार्य प्रभाग ने कार्यक्रम का समन्वय किया।





## डीजीआरई, चंडीगढ़

15 अगस्त, 2024 को रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़, तथा मनाली, लाचुंग, श्रीनगर, सासोमा, और औली में स्थित इसके आरडीसी एवं एमएमसी ने 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के महान बलिदानों को याद करते हुए, डॉ पीके सत्यवली, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीजीआरई, ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों की उपस्थिति में डीजीआरई मुख्यालय, चंडीगढ़, में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

अपने संबोधन के दौरान, डीजीआरई के निदेशक ने पिछले वर्ष की डीजीआरई की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, सभी को उनके अपार योगदान के लिए धन्यवाद दिया और सभी से भारतीय हिमालय पर प्रभावी जोखिम शमन प्रबंधन के लिए अपने सौंपे गए कर्तव्यों और लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करके देश की सेवा के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का आग्रह किया।

प्रयोगशाला और इसके अग्रिम स्थानों ने 13-15 अगस्त 2024 के दौरान 'हर घर तिरंगा' अभियान भी मनाया। डीजीआरई, आरडीसी मनाली, एमएमसी श्रीनगर, और एमएमसी जम्मू ने भी डीजीआरई अधिकारियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मां को श्रद्धांजलि के रूप में एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का आयोजन किया।

## डीआईपीआर, दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, ने 15 अगस्त 2024 को उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, डीआईपीआर, ने



वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सशस्त्र बलों के अधिकारियों, और प्रयोगशाला कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के महान बलिदानों को याद किया, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया।

डीआईपीआर परिवार ने इस महत्वपूर्ण अवसर को मनाने, नागरिकों में देशभक्ति की भावना जगाने और राष्ट्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान और 'एक पेड़ मां के नाम' पहल को उत्साहपूर्वक मनाया। निदेशक, डीआईपीआर ने सभी को

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रत्येक अधिकारी तथा कर्मचारी से नए समर्पण एवं जुनून के साथ राष्ट्र की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का आग्रह किया।

पौधारोपण अभियान की शुरुआत करते हुए, उन्होंने कर्मचारियों को माताओं को श्रद्धांजलि के रूप में एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया और साथ ही हरित आवरण को बढ़ाने और प्रकृति की रक्षा के लिए पर्यावरणीय जिम्मेदारी को अपनाने की आसन्न आवश्यकता पर जोर दिया।





## ईएमयू, हैदराबाद

हैदराबाद स्थित एस्टेट मैनेजमेंट यूनिट (आरएंडडी), ने 15 अगस्त 2024 को 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के बाद, सुरक्षा गार्डों ने परेड का नेतृत्व किया। सीबीएसई, एसएससी 2024 परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली रक्षा प्रयोगशाला विद्यालय, कंचनबाग, और विज्ञानकांचा, की दो लड़कियों को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए।

समारोह के बाद, श्री यू राजा बाबू, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एमएसएस), ने पुनर्निर्मित सामुदायिक हॉल, 'सप्तपदी कन्वेंशन हॉल' का



उद्घाटन किया। श्री जीए श्रीनिवास मूर्ति, निदेशक, डीआरडीएल, ने डॉ अनिल खुराना, सीसीई (आरएंडडी) एस्टेट्स

साउथ, की उपस्थिति में कन्वेंशन हॉल के साथ में एक ओपन-एयर थिएटर 'सप्तस्वर' का उद्घाटन किया।

## एसीईएम में स्थापना दिवस समारोह

ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम), नासिक, ने 14 अगस्त 2024 को अपना 13वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एंड डी, और अध्यक्ष, डीआरडीओ तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रो० प्रतीक किशोर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई), उपस्थित थे।

डॉ एपी दाश, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एचईएमआरएल, पुणे; डॉ मकरंद जोशी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आर एंड डीई (ई), पुणे; श्री पीके गुप्ता, सीसीई (आर एंड डी) पश्चिम, पुणे; और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

उद्घाटन समारोह के दौरान, श्री टीवी जगदीश्वर राव, महानिदेशक, एसीईएम, ने एसीईएम में किए गए कार्यों, संवर्द्धन, सुरक्षा और गुणवत्ता को मजबूत करने तथा कल्याण गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आगामी वर्षों में की जाने वाली विभिन्न भविष्योन्मुखी गतिविधियों के बारे में



भी विस्तार से बताया। प्रो० किशोर ने अपने संबोधन में एसीईएम में किए गए कार्यों की सराहना की और टोस रॉकेट मोटर प्रसंस्करण के दौरान सुरक्षा और गुणवत्ता पर जोर देते हुए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एंड डी, और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने अपने मुख्य संबोधन में बदलते समय के साथ अनुकूलन करने और अनुसंधान एवं विकास, प्रक्रिया दक्षता और प्रक्रिया सुधार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।



## डीएमएसआरडीई में स्थापना दिवस समारोह

29 जुलाई 2024 को रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने अपना 48वां स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम) डॉ वाई श्रीनिवास राव उपस्थित थे। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने अपने संबोधन में विभिन्न उपलब्धियों, प्राप्त की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा चल रही परियोजना गतिविधियों की प्रगति पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने डीएमएसआरडीई द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डीएमएसआरडीई को गैर-धातु क्षेत्र में वैश्विक नेता बनना चाहिए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। इस अवसर



पर मुख्य अतिथि ने 18 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डीएमएसआरडीई के कर्मचारियों ने कार्यक्रम से पहले विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिससे टीम भावना और उत्साही

प्रतिस्पर्धा की संस्कृति को बढ़ावा मिला। मुख्य अतिथि ने डीएमएसआरडीई गृह पत्रिका 'नवचिंतन' के 26वें संस्करण का उद्घाटन किया तथा खेल पुरस्कार वितरित किए। धन्यवाद ज्ञापन वैज्ञानिक 'जी' डॉ किंगसुक मुखोपाध्याय ने दिया।

## एआरडीई ने 2024 में पुस्तकालय सप्ताह मनाया

आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे, के पुस्तकालय, आर्मामेंट तकनीकों के लिए सूचना केंद्र (ICAT), ने भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ एसआर रंगनाथन की जयंती के उपलक्ष्य में 5-9 अगस्त 2024 के दौरान पुस्तकालय सप्ताह मनाया गया। इस वर्ष की थीम 'नारी शक्ति' को भारत सरकार की पहल 'नारी शक्ति: महिला विकास से महिला-नेतृत्व वाले विकास तक' के साथ संरेखित करने के लिए चुना गया।

उद्घाटन समारोह 6 अगस्त 2024 को आयोजित किया गया, जहाँ श्री ए राजू, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एआरडीई, ने आधिकारिक तौर पर पुस्तकालय सप्ताह का उद्घाटन किया



और इस अवसर की शोभा बढ़ाई। श्री एके पांडे, वैज्ञानिक 'ई' एवं समूह

प्रमुख, ICAT, ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और समारोह के लिए

दिन-वार कार्यक्रमों की सूची प्रस्तुत की। डॉ बी बी पाढ़ी, वैज्ञानिक 'जी' एवं समूह निदेशक, ने संगठन के भीतर पुस्तकालय अध्यक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और ICAT में पुस्तकालय विज्ञान के पांच नियमों के प्रभावी कार्यान्वयन का प्रदर्शन किया। श्रीमती वी एस तम्हाणकर, वैज्ञानिक 'जी' ने बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने और नए विचारों को जगाने में पढ़ने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे बिल गेट्स और एलोन मस्क जैसे प्रभावशाली नेता दुनिया की गहरी समझ हासिल करने के लिए बड़े पैमाने पर पढ़ते हैं, साथ ही यह भी बताया कि कैसे विज्ञान कथाएँ अक्सर भविष्य की

वास्तविकताओं की भविष्यवाणी करती हैं।

अपने मुख्य संबोधन में, श्री ए राजू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पढ़ना शोध के लिए मौलिक है और दिमाग को व्यस्त रखने के लिए आवश्यक है। उन्होंने पढ़ने, सूचित निर्णय लेने, और परियोजना की सफलता के बीच मजबूत संबंध को समझाया। 'पाठक से मिलें' अनुभव-साझाकरण कार्यक्रम और एक हथियार प्रदर्शनी का उद्घाटन 8 अगस्त 2024 को हुआ। श्री एम वी रमेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने टिप्पणी की कि किताबें पढ़ना भगवान की पूजा करने के समान है। श्री पांडे और उनकी टीम ने कार्यक्रम का आयोजन

किया, जहाँ उन्होंने ICAT द्वारा प्रदान की जाने वाली अनूठी सेवाओं पर जोर दिया और सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इन संसाधनों का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। पुस्तकालय सप्ताह कार्यक्रम को प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों द्वारा एआरडीई समुदाय के भीतर पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अच्छी प्रतिक्रिया मिली। गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। लगभग 50 विजेताओं को पुरस्कार के रूप में पुस्तकें प्राप्त हुईं। श्री एआर सरोदे, तकनीकी अधिकारी 'बी' ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

## डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि

### डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 27 जुलाई 2024 को 'भारत के मिसाइल मैन' डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 9वीं पुण्यतिथि मनाई। डीएमएसआरडीई के मुख्य द्वार पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की पीतल की प्रतिमा पर डॉ मयंक द्विवेदी उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने माल्यार्पण किया। इसके बाद डीएमएसआरडीई के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, और डीएससी कर्मियों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

### आईटीआर, चांदीपुर

चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) ने आईटीआर के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारत रत्न स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 9वीं पुण्यतिथि मनाई।

27 जुलाई 2024 को डॉ कलाम की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर श्री के सुचंद्र, निदेशक, आईटीआर,



ने डॉ कलाम की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित की। इसके बाद वैज्ञानिकों, अधिकारियों, और कर्मचारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। श्री सुचंद्र ने इस महान शख्सियत को श्रद्धांजलि देते हुए आईटीआर, डीआरडीओ, और राष्ट्र के लिए बहुआयामी प्रतिभा के योगदान को याद किया। उन्होंने आईटीआर के प्रथम निदेशक, रक्षा मंत्री के विशेष सलाहकार एवं डीआरडीओ के महानिदेशक, प्रधानमंत्री के निजी सुरक्षा सलाहकार, तथा भारत के राष्ट्रपति के रूप में डॉ कलाम द्वारा निभाई गई अग्रणी

भूमिकाओं का वर्णन किया। एक इंसान, एक वैज्ञानिक, एक प्रौद्योगिकीविद्, एक प्रबंधक, एक मार्गदर्शक, एक नेता, एक प्रेरक, और एक ऐसे जन-राष्ट्रपति के रूप में डॉ कलाम के उत्कृष्ट गुणों को निदेशक ने अपने भाषण में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉ कलाम ने अनगिनत नागरिकों को सपनों को हकीकत में बदलने के लिए प्रेरित किया।

आईटीआर के कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने संबोधन में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के बुद्धिमत्ता और ज्ञान की गहरी प्रशंसा की।





## एसीईएम में मिक्सर बिल्डिंग की आधारशिला रखने का समारोह

एमवाई 300 मिक्सर बिल्डिंग की आधारशिला 14 अगस्त 2024 को एसीईएम, नासिक, में डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ द्वारा रखी गई। इस अवसर पर प्रोफेसर प्रतीक किशोर, महानिदेशक (एसीई); डॉ एपी दाश, निदेशक एचईएमआरएल; डॉ मकरंद जोशी, निदेशक आरएंडडीई (ई); श्री प्रदीप कुमार गुप्ता, सीसीई (आरएंडडी) पश्चिम पुणे; तथा श्री टीवी जगदीश्वर राव, महाप्रबंधक, एसीईएम उपस्थित थे।

एमवाई 300 मिक्सर बिल्डिंग में 40 टन की क्रेन क्षमता के साथ कंपोजिट प्रोपेलेंट मिक्सिंग के लिए 3000 लीटर वर्टिकल प्लेनेटरी मिक्सर होगा। इस सुविधा में मिक्सर रूम, फीडिंग रूम एवं यूटिलिटी रूम वाला प्रोसेसिंग बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स तथा मिक्सर कंट्रोल रूम, एमसीसी रूम, इंजीनियर्स रूम और टूल



रूम वाले ट्रैवर्स के बाहर कंट्रोल ब्लॉक, तथा एक एसी प्लांट बिल्डिंग शामिल है। इस सुविधा को इस प्रकार डिजाइन

किया गया है कि सम्पूर्ण मिश्रण प्रचालन को कड़े आरएच/आरटी नियंत्रण के तहत दूर से ही किया जा सकता है।

## डेसीडॉक में विद्वत्तापूर्ण संचार और लेखन पर पाठ्यक्रम

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने 24-26 जुलाई 2024 के दौरान 'विद्वत्तापूर्ण संचार और लेखन' पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम (CEP) का आयोजन किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य डीआरडीओ के वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कर्मचारियों के बीच शोध लेखन के महत्व और इसे प्राप्त करने के तरीकों और साधनों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। पाठ्यक्रम के दौरान शामिल किए गए कुछ विषय थे विद्वत्तापूर्ण संचार और वैज्ञानिक लेखन; प्रकाशन के लिए नैतिक आचरण और प्लेगरिज्म का पता लगाना; डीआरडीओ प्रकाशनों का अवलोकन, उच्च गुणवत्ता वाली पांडुलिपियाँ लिखना; शोध मैट्रिक; स्कोपस के माध्यम से शोध साहित्य को समझना।

डॉ. के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक, ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया तथा विद्वत्तापूर्ण संचार और



वैज्ञानिक लेखन के महत्व के बारे में जानकारी दी। श्रीमती अलका बंसल, वैज्ञानिक 'एफ' और पाठ्यक्रम निदेशक, ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और अच्छी गुणवत्ता वाले शोध पत्र लिखने के महत्व पर जोर दिया।

श्री योगेश मोदी, वैज्ञानिक 'ई' एवं उप पाठ्यक्रम निदेशक ने पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु का संक्षिप्त परिचय दिया। विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से 35 से अधिक प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

## कौशल विकास केंद्र, सीफीस, पिलखुवा, में विशेष डीएमसी का आयोजन

दिल्ली स्थित अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस) ने 29-30 जून 2024 को पिलखुवा स्थित अपने कौशल विकास केंद्र (एसडीसी) में विशेष डीआरडीओ प्रबंधन समिति (डीएमसी) की बैठक आयोजित की। इस कार्यक्रम ने सीफीस की अत्याधुनिक क्षमताओं को प्रदर्शित करने और विशेषज्ञों के बीच मूल्यवान आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया। एसडीसी पिलखुवा, सीफीस की प्रशिक्षण शाखा,

रक्षा मंत्रालय (एमओडी) कर्मियों के लिए अग्नि सुरक्षा शिक्षा में विशेषज्ञता रखती है। केंद्र में अत्याधुनिक सुविधाएं हैं, जैसे,

- ✦ अग्नि प्रशिक्षण सिमुलेटर अग्निशामक अनुभव प्रदान करते हैं
- ✦ नेविगेशन प्रशिक्षण के लिए स्मोक चैंबर एक व्यावहारिक उपकरण के रूप में कार्य करता है
- ✦ हाई-राइज रेस्क्यू सिमुलेशन में एस्कैप च्यूट्स शामिल हैं
- ✦ विशेष वाहनों (HAZMAT,

आपातकालीन बचाव टेंडर, हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म, एयर क्रैश फायर टेंडर) से सुसज्जित एक मॉडल फायर स्टेशन

- ✦ फायर टेस्ट मैनेक्विन प्रणाली, अग्नि परीक्षण मूल्यांकन के लिए 100 मी<sup>3</sup> इंस्ट्रुमेंटेड चैंबर, बस अग्निशामक प्रणाली आदि सहित उन्नत परीक्षण सुविधाएँ।

पूरे वर्ष, एसडीसी, पिलखुवा विभिन्न रक्षा मंत्रालय के कैंडरों के लिए विशेष पाठ्यक्रम आयोजित करता है, जिससे



यह सुनिश्चित होता है कि कर्मचारी विभिन्न अग्नि-संबंधी चुनौतियों के लिए तैयार हैं। गहन डीएमसी सत्र से ब्रेक के दौरान, समिति के सदस्यों ने सीफीस सुविधाओं का दौरा किया, जिससे संगठन की व्यापक गतिविधियों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त हुई। यह बातचीत पारस्परिक रूप से लाभकारी साबित हुई, जिसमें सीफीस वैज्ञानिकों को सम्मानित डीएमसी सदस्यों से बहुमूल्य प्रतिक्रिया और सुझाव प्राप्त हुए। इस कार्यक्रम में अग्नि सुरक्षा प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण को आगे बढ़ाने तथा रक्षा क्षेत्र में सहयोगात्मक प्रयासों को मजबूत करने के लिए सीफीस की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।



## एनएसटीएल में डीआरडीओ एनएल-टीएफ के टीआईआरसी प्रमुखों और स्थानीय संवाददाताओं के लिए कार्यशाला

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, के सहयोग से 1-2 अगस्त 2024 के दौरान एनएसटीएल, विशाखापत्तनम में टीआईसी/टीआईआरसी/केसी के प्रमुखों और डीआरडीओ न्यूजलेटर तथा टेक्नोलॉजी फोकस के स्थानीय संवाददाताओं के लिए दो दिवसीय कार्यशाला एवं परिचयात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर के मुख्य अतिथि डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम) ने विशिष्ट अतिथि, डॉ अब्राहम वर्गीस, निदेशक, एनएसटीएल; और डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक, की उपस्थिति में कार्यशाला का उद्घाटन किया।

उद्घाटन सत्र के दौरान, डॉ राव ने उद्घाटन संबोधन दिया, डॉ वर्गीस ने स्वागत संबोधन दिया तथा डॉ श्रीनिवास राव ने मुख्य संबोधन दिया।

कार्यशाला में डीआरडीओ इंटरनेट नेटवर्क पर डीआरडीओ वैज्ञानिक समुदाय के लाभ के लिए डिजिटल लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर और लाइब्रेरी ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर विकसित करने; इंटरनेट पर डीआरडीओ ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल संसाधनों के उपयोग को बढ़ाने; ई-जर्नल्स, मानकों, डेटाबेस और ई-बुक्स की सदस्यता के लिए डीआरडीओ ई-रिसोर्स कंसोर्टिया की स्थिति का आकलन करने; डीआरडीओ न्यूजलेटर और टेक्नोलॉजी फोकस के स्थानीय संवाददाताओं के लिए दिशानिर्देश प्रदान करने; डीआरडीओ जर्नल पेपर्स के

इम्पैक्ट फैक्टर को बढ़ाना ताकि उनकी वैश्विक दृश्यता बढ़े; प्लेगरिज्म और नैतिक प्रकाशन का महत्व; तकनीकी पत्रों, तकनीकी रिपोर्टों, थीसिस, और शोध प्रबंधों के माध्यम से निहित ज्ञान को स्पष्ट ज्ञान में एकत्र करने और बदलने के लिए डीआरडीओ ज्ञान भंडार का उपयोग करने की आवश्यकता; रक्षा तकनीक के क्षेत्र में डीआरडीओ के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा मोनोग्राफ का प्रकाशन; तथा सब्सक्राइब किये गए जेन्स और स्कोपस डेटाबेस के उपयोग से परिचित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

छह सत्र आयोजित किए गए, जिनमें डेसीडॉक द्वारा प्रदान की जाने वाली लाइब्रेरी और ई-संसाधन सेवाएँ, पत्रिकाओं और डीआरडीओ प्रकाशनों के लिए लेख अग्रेषित करते समय

संवाददाताओं के लिए लेखन युक्तियाँ, प्लेगरीज्म, उच्च-गुणवत्ता वाले शोधपत्र लिखना और जेन्स एवं स्कोपस डेटाबेस का उपयोग कैसे करें, इसका प्रदर्शन करना जैसे विषय शामिल थे।

अपना मुख्य संबोधन देते हुए, डॉ श्रीनिवास राव ने कार्यशाला को ज्ञान के आदान-प्रदान और नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के रूप में संदर्भित किया और डॉ नागेश्वर राव, डॉ वर्गीस, तथा सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ डीप-टेक मौलिक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करेगा और अपने मौलिक अनुसंधान क्षेत्रों का विस्तार भी करेगा।

उन्होंने टिप्पणी की कि पुस्तकालय हमेशा से उनके दूसरे घर रहे हैं क्योंकि वे बहुत ही उत्सुक पाठक हैं; वे अभी भी वर्तमान घटनाओं, नई पुस्तकों, और रचनात्मक विचारों से अवगत होने के लिए अक्सर किताबें पढ़ते हैं। उनका भाषण डीआरडीओ ब्रांड की स्थापना में डीआरडीओ प्रकाशनों, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी फोकस के महत्व पर केंद्रित था।

कार्यशाला में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के टीआईआरसी प्रमुखों और डीआरडीओ न्यूजलेटर एवं टेक्नोलॉजी फोकस के संवाददाताओं सहित कुल 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



## डीजीआरई द्वारा पाठ्यक्रम और कार्यशालाएँ

मनाली में प्लानिंग एंड डिजाइनिंग ऑफ रिजिड फार्मेशन जोन एवलांच कण्ट्रोल स्ट्रक्चर्स पर पाठ्यक्रम

रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़, ने 10-14 जून 2024 के दौरान 'प्लानिंग एंड डिजाइनिंग ऑफ रिजिड फार्मेशन जोन एवलांच कण्ट्रोल स्ट्रक्चर्स' पर पाँच दिवसीय सतत शिक्षा कार्यक्रम (CEP) का आयोजन किया।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य संरचनात्मक साधनों के माध्यम से हिमस्खलन के शमन, विभिन्न इंजीनियरिंग कठोर संरचनाओं पर बर्फ के भार की गणना और भारतीय हिमालय में गठन क्षेत्र हिमस्खलन नियंत्रण संरचनाओं की योजना एवं डिजाइनिंग के बारे में ज्ञान

बढ़ाना था। पाठ्यक्रम में डीजीआरई, चंडीगढ़, और आरडीसी, डीजीआरई मनाली के कुल 17 प्रतिभागियों के साथ-साथ जीटीआरई, बंगलुरु के प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ आमोद कुमार, वैज्ञानिक 'जी', डीजीआरई, ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसमें



हिमालयी क्षेत्र में हिमस्खलन से बचाव और हर समय राजमार्ग संपर्क के लिए विभिन्न तकनीकों के व्यवस्थित ज्ञान की आवश्यकता पर बल दिया गया। प्रतिभागियों ने हिमस्खलन-प्रवण इलाके और क्षेत्र यंत्रीकरण से परिचित होने के लिए एडवांस फील्ड रिसर्च स्टेशन धुंडी (ऊंचाई 3050 मीटर) का भी दौरा किया। डॉ सुनील भारद्वाज, वैज्ञानिक 'एफ', पाठ्यक्रम निदेशक थे।



### सेना कर्मियों के लिए हिमस्खलन जागरूकता प्रशिक्षण

एमएमसी ससोमा, डीजीआरई, ने सियाचिन बैटल स्कूल में शामिल होने से पहले प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विभिन्न इकाइयों के अधिकारियों, जेसीओ, और ओआर के लिए 7 मई 2024 से 25 जून 2024 के दौरान हिम-मौसम संबंधी डेटा संग्रह और हिमस्खलन जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किया। उन्हें मौसम विज्ञानी कैप्टन सुमित ओझा और एनबी सब अनिल कुमार ने भारतीय हिमालय के बर्फ से ढके हिस्सों में बर्फ और हिमस्खलन के खतरों के बारे में बताया। हिम-मौसम संबंधी डेटा उपकरणों, उनके कामकाज, डेटा रिकॉर्ड करने, हिमस्खलन के पूर्वानुमानों की व्याख्या करने, और हिमस्खलन प्रक्रिया में विभिन्न हिम-मौसम संबंधी मापदंडों की भूमिका के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।



### तनाव मुक्त जीवन की कुंजी- ध्यान पर सत्र

गुरुतत्व संगठन के समन्वय में, डीजीआरई ने 9 अगस्त 2024 को डीजीआरई, चंडीगढ़, में 'ध्यान: तनाव मुक्त जीवन की कुंजी' पर एक सत्र आयोजित किया। सत्र का उद्देश्य तनाव मुक्त जीवन को बढ़ावा देकर वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों के समग्र विकास को बढ़ाना था, जो बदले में संगठनात्मक प्रदर्शन

को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। श्री मिलिंद कुमार सिंह, उत्तर भारत प्रबंधक, गुरुतत्व संगठन, ने 'ध्यान: तनाव मुक्त जीवन की कुंजी' पर सत्र का संचालन किया और योग विज्ञान के सरल विचारों एवं विधियों तथा व्यक्ति के जीवन में इसके दैनिक अनुप्रयोग से परिचित कराया।





## डीआईपीआर में सम्मेलन और कार्यशालाएँ

माइंडशिफ्ट पर पाठ्यक्रम: सीखने की बाधाओं को तोड़ें और अपनी अंदर छिपी क्षमता की खोज करें

6-8 अगस्त 2024 को रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, ने 'माइंडशिफ्ट: सीखने की बाधाओं को तोड़ें और अपनी छिपी क्षमता की खोज करें', पर तीन दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम में नया ज्ञान प्राप्त करने और उहराव की स्थिति से उपलब्धि की ओर पारगमन की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, डीआईपीआर, ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उनसे अनुभवी संकाय सदस्यों के साथ चर्चा में सक्रिय रूप से शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने सभी को CEP से व्यक्तिगत और व्यावसायिक रूप से लाभकारी अंतर्दृष्टि और सीख का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

### दो दिवसीय प्लेटिनम जुबली सम्मेलन

डीआईपीआर द्वारा 1-2 अगस्त 2024 के दौरान 'कार्मिक चयन: पद्धतिगत और तकनीकी उन्नति' विषय पर दो दिवसीय प्लेटिनम जुबली सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर मानस के मंडल, प्रतिष्ठित विजिटिंग प्रोफेसर, आईआईटी खड़गपुर; विशिष्ट अतिथि, लेफ्टिनेंट जनरल विनोद जी खंडारे (सेवानिवृत्त), पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम; रक्षा मंत्रालय के प्रधान सलाहकार, डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस); तीनों सेनाओं; भारतीय तटरक्षक बल; केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारी; डीआईपीआर; तथा चयन बोर्ड के वैज्ञानिक और सेवा अधिकारी; प्रख्यात शिक्षाविदों; और उद्योग भागीदारों ने





इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

व्यावहारिक तकनीकी सत्रों का उद्देश्य मशीन के साथ मानव को सशक्त बनाने और सशस्त्र बलों को मजबूत करने के लिए शिक्षा और उद्योग की क्षमताओं को एकीकृत करके मनोवैज्ञानिक रूप से प्रेरित और तकनीकी रूप से सक्षम भविष्य के अनुसंधान और विकास समाधानों पर

विविध दृष्टिकोण एकत्र करना था।

डॉ अरुणिमा गुप्ता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डीआईपीआर की सफलता अमूल्य मार्गदर्शन और सामूहिक प्रयासों पर आधारित है। हमें शिक्षाविदों, अनुसंधान और विकास संगठनों, सशस्त्र बलों और उद्योग भागीदारों से जो मिला, और इस मंच पर साझा किए गए दृष्टिकोण

डीआईपीआर को सैन्य मनोविज्ञान में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरने और बनाए रखने के लिए उज्ज्वल भविष्य के लिए नए क्षितिज को और समृद्ध एवं मदद करेंगे। सहयोग के अवसरों की खोज और अभिनव समाधान विकसित करने के लिए पैनल चर्चाओं के समापन के बाद डीआईपीआर-उद्योग तालमेल बैठक आयोजित की गई।

### डीआरटीसी कार्मिकों की संगठनात्मक प्रभावशीलता बढ़ाने पर पाठ्यक्रम

डीआईपीआर द्वारा 22-26 जुलाई 2024 के दौरान 'डीआरटीसी कार्मिकों की संगठनात्मक प्रभावशीलता बढ़ाने' पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया। पांच दिनों के इस कार्यक्रम में डीआईपीआर ने आत्म-जागरूकता, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक भावनाओं को बढ़ाने, प्रेरणा, समय प्रबंधन, और प्रभावी संचार सहित कई विषयों के साथ व्यक्तिगत, पारस्परिक, और संगठनात्मक स्तर पर किसी के कामकाज को बढ़ाने के लिए मनोवैज्ञानिक इनपुट और साधन प्रदान करने का प्रयास किया।



विभिन्न डीआरडीओ क्लस्टरों से अट्टाईस (28) प्रतिभागियों ने संकाय

सदस्यों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की और अपने अनुभव साझा किए।

### सशस्त्र बलों के वरिष्ठ दंत चिकित्सा अधिकारियों के लिए कार्यशाला

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, ने 8 जुलाई 2024 को 'साक्षात्कार के दौरान व्यक्तित्व मूल्यांकन की बारीकियाँ' विषय पर सशस्त्र बलों के वरिष्ठ दंत चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक दिवसीय संवादात्मक बैठक और कार्यशाला का आयोजन किया।

लेफ्टिनेंट जनरल विनीत शर्मा, वीएसएम, महानिदेशक दंत चिकित्सा सेवाएँ (डीजीडीएस), और कर्नल कमांडेंट एडी कोर ने कार्यशाला में भाग लिया, जिसमें 03 मेजर जनरलों सहित 21 वरिष्ठ दंत चिकित्सा अधिकारी शामिल हुए।

डीजीडीएस ने बातचीत की

शुरुआत की और उम्मीदवारों के व्यवहार संबंधी आकलन में सुधार के महत्व पर जोर दिया।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, डीआईपीआर, ने प्रयोगशाला द्वारा संचालित अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के चार्टर और स्पेक्ट्रम पर प्रकाश डाला और भारतीय सशस्त्र बलों के लिए कमीशन प्राप्त अधिकारियों के चयन के लिए मौजूदा अधिकारी चयन प्रणाली का व्यापक अवलोकन भी प्रदान किया।

डीआईपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और सेवा अधिकारियों ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की, व्यक्तित्व मूल्यांकन

के मनोवैज्ञानिक आधारों को साझा किया, मुख्य गुणों की व्याख्या की और उम्मीदवार के मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले चिन्हों के साथ उनका मानचित्रण किया।

प्रतिभागियों को साक्षात्कार तकनीक से परिचित कराया गया, जिसमें प्रमुख व्यावहारिक संकेत और उनसे जुड़ी बारीकियाँ शामिल थीं, और वे प्रस्तुत विषयों से पूरी तरह जुड़े हुए थे।

अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए, स्पष्टीकरण मांगे, और पूरे सत्र के दौरान एक-दूसरे के साथ सहयोग किया, तथा कार्यशाला का समापन मुख्य बातों और सारांश बिंदुओं के साथ हुआ।

## पिलखुवा में प्राथमिक अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम पर कार्यशाला

डीआरडीओ कौशल विकास केंद्र पिलखुवा, हापुड़, उत्तर प्रदेश, ने भारतीय वायु सेना के अनुरोध पर 22 जुलाई 2024 को 'प्राथमिक अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम का परिचय' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

कार्यशाला भारतीय वायु सेना के कमीशन प्राप्त अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई, जो देश भर में फैली संबंधित इकाइयों में स्टेशन अग्निशमन अधिकारियों की जिम्मेदारियों को संभालते हैं।

कार्यशाला में कुल 83 वायु सेना कर्मियों (80 कमीशन प्राप्त अधिकारी और 03 ओआर) ने भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान संकाय और वक्ताओं ने प्रतिभागियों को वायु सेना की आवश्यकताओं के अनुसार अग्निशमन



सेवा प्रशासन, अग्निशमन व्यवस्था, विस्फोटक अग्नि सुरक्षा, विद्युत अग्नि सुरक्षा, और अग्निशमन प्रौद्योगिकियों में नवीनतम विकास के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों और भारतीय वायु

सेना के उच्च अधिकारियों ने कार्यशाला की बहुत सराहना की। एयर कमांडोर जी अनंत पीडी (वायु सेना मुख्यालय) ने प्रशंसा के शब्दों के साथ समापन समारोह में भाग लिया।

## आईबी अधिकारियों के लिए सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली, ने 3-7 जून 2024 के दौरान खुफिया ब्यूरो (आईबी) के लिए 'सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन' पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ सुधीर चांदना, निदेशक, इनमास, ने किया। उन्होंने सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन में सीबीआरएन फोरेसिक और खुफिया की भूमिका पर जोर दिया। श्री विनोद कौशिक, वैज्ञानिक 'एफ' ने प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ हिमांशु ओझा,





वैज्ञानिक 'एफ' के साथ पाठ्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया। इनमास में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में आईबी से कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भूमि युद्ध अध्ययन केंद्र के महानिदेशक कार्यालय (DG&CLAWS), रक्षा मनोवैज्ञानिक

अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), और IG CID असम कार्यालय से सम्बंधित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया।

पाठ्यक्रम के विषयों में सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया।

प्रतिभागियों को घातक बम परिदृश्यों, ह्यूमन पेशेंट सिमुलेटर, विकिरण बायोडोसिमेट्री, मोबाइल होल बॉडी काउंटर, प्रतिदर्श संग्रह को दूर से संभालने के लिए ROV & DAKSHA, हवाई निगरानी के लिए नेत्रा आदि के प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया।

## इनमास में विशेष सुरक्षा समूह के लिए सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन पर पाठ्यक्रम

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली, ने 22-26 जुलाई 2024 के दौरान विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) के रेस्पॉडर्स के लिए सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन पर एक विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य वीआईपी और वीवीआईपी सुरक्षा के दौरान सीबीआरएन आपात स्थितियों को कम करने और रेडियोधर्मी तत्वों को संभालने के तरीके पर प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान करके तकनीकी कौशल में सुधार करना था। एसपीजी रेस्पॉडर्स को सीबीआरएन एजेंटों द्वारा फैलाई गई आपात स्थितियों की सुरक्षा, पता लगाने, प्रतिक्रिया/शमन, परिशोधन, और चिकित्सा प्रबंधन के बारे में



जागरूक किया गया। इनमास और बाहरी एजेंसियों के विशेषज्ञों ने होल बॉडी काउंटर (WBC), मानव रहित हवाई वाहन (UAV), रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल (ROV), रेमोकॉन वाइप्स, शुद्धि का प्रोटेक्शन, ह्यूमन पेशेंट सिमुलेशन सिस्टम और अन्य आवश्यक उपकरणों

का प्रदर्शन किया।

एसपीजी रेस्पॉडर्स की विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए श्वसन सुरक्षा अभ्यास, विकिरण स्रोत खोज अभ्यास (लाइव एजेंट प्रशिक्षण), ट्राइएज अभ्यास और संचार प्रोटोकॉल अभ्यास आयोजित किए गए।

## जीटीआरई में जेसीएम-III स्तरीय परिषद की मुख्य बैठक

संयुक्त परामर्शदात्री मशीनरी (जेसीएम)-III स्तरीय (डीआरडीओ) परिषद की मुख्य बैठक 16 जुलाई 2024 को गैस टर्बाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई), बैंगलुरु, में डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

जेसीएम-III के आधिकारिक पक्ष का प्रतिनिधित्व महानिदेशक (एचआर),

महानिदेशक (आरएंडएम), डीएमएस, डीएचआरडी, डीओपी, निदेशक सेप्टम, तथा अवर सचिव (आरएंडडी) ने किया। बैठक में महानिदेशक (एयरो), निदेशक, जीटीआरई, तथा डीसीडब्ल्यूएंडई ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। स्टाफ पक्ष से, श्री आरएन नागराज, लीडर स्टाफ साइड, श्री यूसी लेंका, सचिव स्टाफ साइड, और 15 अन्य सदस्यों ने बैठक में

भाग लिया।

अपने आरंभिक वक्तव्य में डॉ कामत ने कहा कि जेसीएम-III परिषद कर्मचारी कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों को सुलझाने में अपनी प्रमुख भूमिका निभाती रहेगी। उन्होंने प्रबंधन पक्ष से कर्मचारियों को भरपूर समर्थन का आश्वासन दिया। संसदीय तरीके से चर्चा की गई और सभी मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान दिया गया। सभी जेसीएम



सदस्यों ने जीटीआरई के निदेशक और उनकी टीम को बैठक की उदारतापूर्वक मेजबानी करने और इसके सुचारु संचालन के लिए सावधानीपूर्वक

सभी व्यवस्थाएं करने के लिए आभार व्यक्त किया। अपने समापन वक्तव्य में डॉ कामत ने रचनात्मक विचारों और एकजुटता की भावना के लिए

कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संगठन को शीर्ष पर बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए।

## डीएमएसआरडीई में क्लस्टर परिषद की बैठक

29 जुलाई 2024 को रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने नौसेना प्रणाली और सामग्री (एनएसएंडएम) क्लस्टर की 64वीं क्लस्टर परिषद बैठक (सीसीएम) की मेजबानी की। बैठक से पहले, डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम), और क्लस्टर प्रयोगशालाओं के सभी निदेशकों ने डीएमएसआरडीई मुख्य द्वार पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। डॉ श्रीनिवास राव ने बैठक की अध्यक्षता की। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई ने स्वागत संबोधन दिया।

श्री आरवी हारा प्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएलजे; डॉ आर बालमुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल; डॉ दुव्वुरी शेषगिरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक



एवं निदेशक, एनपीओएल; डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल; सुश्री के संगीता, आईडीएएस, आईएफए (आरएंडडी),

विजाग; श्री ताबिश शम्स, उप आईएफए, कानपुर; तथा क्लस्टर प्रयोगशालाओं के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक बैठक में उपस्थित थे।



## एनएसटीएल में सतर्कता और सुरक्षा संवेदनशीलता जागरूकता कार्यक्रम

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, ने 22-23 जुलाई 2024 के दौरान सभी कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय सतर्कता और सुरक्षा संवेदनशीलता जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रसिद्ध साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ श्री आईएल नरसिम्हा राव अतिथि वक्ता थे, तथा डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल, मुख्य अतिथि थे। एनएसटीएल के वैज्ञानिक 'ई' श्री टी रामू ने स्वागत संबोधन दिया। श्री राव ने हाल के दिनों में साइबर धोखाधड़ी और रिपोर्ट की गई घटनाओं में वृद्धि पर प्रकाश डाला तथा साइबर सुरक्षा के संबंध में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह



दी। उन्होंने रक्षा प्रतिष्ठानों द्वारा पालन किए जाने वाले सभी साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉलों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में भाग लेने वाले 735 कार्मिक, वक्ता और आईटीसीएस टीम के साथ सक्रिय रूप से जुड़े एवं बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की।

साइबर सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जासूसी, स्मार्ट फोन सुरक्षा, सोशल मीडिया पहलुओं एवं केस स्टडीज, फिशिंग एवं जासूसी के खिलाफ निवारक उपायों पर बातचीत की गई। साथ ही, कार्यक्रम के दौरान लेफ्टिनेंट कर्नल बीपी आचार्य, मुख्य सुरक्षा अधिकारी तथा श्री अभिषेक कुमार सिंह, सुरक्षा अधिकारी द्वारा नवीनतम साइबर खतरों के परिदृश्य में क्या करें, क्या न करें, और रुझानों के बारे में जानकारी दी गई।

## तेलंगाना राज्य पुलिस तक डीएलआईसी की आउटरीच

पीसीएंडएसआई क्लस्टर का कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी), एमएचए (पुलिस आधुनिकीकरण) के साथ एमएचए-डीआरडीओ सहयोग के भाग के रूप में डीआरडीओ द्वारा निर्मित उत्पादों और प्रणालियों को सीएपीएफ तथा सीपीओ में शामिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में डीएलआईसी ने सीएपीएफ/सीपीओ में 6,000 करोड़ रुपये के उत्पादों और प्रणालियों को सफलतापूर्वक शामिल किया है। सहयोग को आगे बढ़ाते हुए डीएलआईसी अब देश के विभिन्न राज्य पुलिस बलों तक उनके आधुनिकीकरण में सहायता के लिए पहुंच रहा है। आउटरीच के भाग के रूप में डीएलआईसी की निदेशक श्री संगीता राव आचार्य अडांकी ने तेलंगाना राज्य पुलिस मुख्यालय का



दौरा किया और तेलंगाना राज्य पुलिस के अतिरिक्त डीजीपी (ऑक्टोपस) और उनकी टीम के साथ बातचीत की। तेलंगाना पुलिस टीम को डीआरडीओ

द्वारा विकसित विभिन्न एलआईसी उत्पादों और प्रणालियों पर एक प्रस्तुति दी गई, जिसके बाद एलआईसी उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। तेलंगाना

पुलिस के विशेष प्रभागों, अर्थात ग्रेहाउंड और ऑक्टोपस ने विभिन्न उत्पादों की खरीद में गहरी रुचि दिखाई। खरीद के लिए शामिल किए गए कुछ उत्पादों में एंटी-टेररिस्ट व्हीकल, एसडी मैकेनिज्म

के साथ ग्रेनेड, पैसिव नाइट विजन साइट, कॉर्नर शॉट वेपन सिस्टम, ग्राउंड पेनेट्रेशन रडार, प्लास्टिक बुलेट, बुलेट प्रूफ जैकेट, ऑप्टिकल टारगेट लोकेटर, यूजीआरएएम असॉल्ट राइफल,

एसएमआई पिस्टल आदि शामिल हैं। श्री विजय कुमार, आईपीएस, एडीसी (ऑक्टोपस और ग्रेहाउंड) ने बातचीत की सराहना की और अपनी टीम को आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

## आईआरएसए पर राष्ट्रीय कार्यशाला

डील द्वारा 6-7 अगस्त 2024 के दौरान डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली, में इंडियन रेडियो सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर (आईआरएसए) पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य भारत में रक्षा संचार के क्षेत्र में काम करने वाले सरकार, सशस्त्र बलों, उद्योगों, और शिक्षाविदों सहित प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाना था, ताकि देश में व्यवहार्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एसडीआर प्रौद्योगिकियों/उत्पादों के स्वदेशी विकास की दिशा में आईआरएसए के माध्यम से सैन्य रेडियो सॉफ्टवेयर के मानकीकरण के प्रयासों से अवगत कराया जा सके और चर्चा की जा सके। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में डॉ बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस) ने किया, जिसमें डॉ सुब्रत रक्षित, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (टीएम) ने मुख्य संबोधन दिया। कार्यशाला में 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें उद्योगों से 50 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे।

कार्यशाला में आईआरएसए के सभी पहलुओं पर तकनीकी सत्र, उपयोगकर्ता सत्र, उद्योग सत्र, और 'आईआरएसए के कार्यान्वयन के लिए आगे का मार्ग' पर पैनल चर्चा शामिल थी।



आईआरएसए, एसडीआर के लिए सॉफ्टवेयर के मानकीकरण की दिशा में एक स्वदेशी प्रयास है। आईआरएसए का मुख्य उद्देश्य हार्डवेयर संसाधन बाधाओं के भीतर विभिन्न एसडीआर (विभिन्न ओईएम, विन्यास, फॉर्म-फैक्टर आदि) में वेवफॉर्म पोर्टेबिलिटी को बढ़ाना है। आईआरएसए अंतर्निहित हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म को अमूर्त करने के लिए वेवफॉर्म को मानकीकृत इंटरफेस प्रदान करके वेवफॉर्म पोर्टेबिलिटी को सक्षम बनाता है।

बढ़ी हुई वेवफॉर्म पोर्टेबिलिटी तीनों

सेवाओं में विभिन्न प्रकार के एसडीआर के बीच अंतर-संचालन को सक्षम करेगी। आईआरएसए को सुरक्षा के लिए भारत विशिष्ट अनुकूलन के साथ उपयोगकर्ता आवश्यकताओं पर विचार करते हुए एससीए 4.1 और एससीए 2.2.2 की विशेषताओं को शामिल करते हुए डिजाइन किया गया है। यह वास्तव में एक राष्ट्रीय प्रयास है जिसमें 17 सदस्यीय प्रबंधन समिति और 23 सदस्यीय मसौदा समिति के माध्यम से सरकार, डीपीएसयू, उद्योगों, और शिक्षाविदों की भागीदारी है।

### डीजीआरई को डिजाइन पंजीकरण संख्या प्रदान किया गया

भारतीय पेटेंट कार्यालय रक्षा भूसूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई) के डिजाइन दस्तावेज 'टेरेन इन्वेस्टिगेटिव ड्रोन' के लिए डॉ मनोज कालरा, दिनेश यादव, और उपिका मित्तल को 26 जून 2024 को डिजाइन पंजीकरण संख्या 365178-001 प्रदान किया।



## एनपीओएल में साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया संवेदीकरण पर आमंत्रित वार्ता का आयोजन

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, ने श्री राठौड़ जगन मोहन नायक, इंटेलिजेंस ब्यूरो, कोच्चि, द्वारा साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया संवेदीकरण पर एक आमंत्रित वार्ता का आयोजन किया। यह वार्ता 10 जुलाई 2024 को आयोजित की गई और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ दुब्युरी शेषागिरी, वैज्ञानिक 'एच' एवं निदेशक, एनपीओएल, ने की।

श्री जोस कुरियन, वैज्ञानिक 'एफ' एवं समूह निदेशक, वीएंडएस, ने वक्ता का परिचय दिया। उद्घाटन संबोधन श्री के मोहनन, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक (प्रबंधन), द्वारा दिया गया।



श्री नाइक ने प्रासंगिक उदाहरणों द्वारा समर्थित विभिन्न प्रकार के साइबर खतरों की विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने दस्तावेज सुरक्षा के बारे में जानकारी

दी तथा संवेदनशील संगठनों में अपनाए जाने वाले साइबर सुरक्षा उपायों और उल्लंघनों के विरुद्ध विनियमों के बारे में चर्चा की।

## सामरिक अनुप्रयोगों के लिए उन्नत गतिशीलता समाधान पर पाठ्यक्रम

वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई), अहमदनगर, ने 8-12 जुलाई 2024 के दौरान सामरिक अनुप्रयोगों के लिए उन्नत गतिशीलता समाधान पर पांच दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया। प्रोफेसर प्रतीक किशोर, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई), मुख्य अतिथि थे, तथा मुख्य संबोधन श्री वैलेंटिक जिरी (मेसर्स टेद्रा ट्रक्स एएस, चेक गणराज्य) ने दिया। उद्घाटन संबोधन में, महानिदेशक (एसीई) ने पाठ्यक्रमों के माध्यम से तत्काल और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीखने और ज्ञान प्राप्त करने के महत्व के बारे में बात की।

उन्होंने यह भी कहा कि सामरिक अनुप्रयोगों के लिए गतिशीलता के क्षेत्र में पाठ्यक्रम का संचालन उपयुक्त है, क्योंकि वीआरडीई सामरिक अनुप्रयोगों के



लिए ग्राउंड सपोर्ट सिस्टम और हथियार प्लेटफार्मों के डिजाइन तथा विकास में शामिल है। वीआरडीई के निदेशक श्री जीआरएम राव ने सामरिक अनुप्रयोगों के लिए गतिशीलता समाधान के क्षेत्र में नवाचार पर जोर दिया। डॉ बीएचवीएस नारायण मूर्ति, कुलपति-डीआईएटी,

समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। डॉ मूर्ति ने पाठ्यक्रम के आयोजन में वीआरडीई के प्रयासों की सराहना की, क्योंकि इससे गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे गतिशीलता के क्षेत्र में प्रतिभागियों के ज्ञान आधार को लाभ मिलेगा।

## डीएफआरएल में खाद्य प्रौद्योगिकी पर पाठ्यक्रम

रक्षा खाद्य शोध प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर, ने 8-11 जुलाई 2024 के दौरान एडवांस सप्लाय चैन मैनेजमेंट एंड फूड टेक्नोलॉजी (ASMAFT-19) पर 4 दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस पाठ्यक्रम में सेना के बीस वरिष्ठ एएससी अधिकारी तथा एएससी सेंटर एवं कॉलेज, बेंगलुरु, के मुख्य प्रशिक्षक शामिल हुए।

वरिष्ठ सेना अधिकारियों ने खाद्य प्रसंस्करण, जमे हुए एवं ठंडे मांस / चिकन, गुणवत्ता नियंत्रण, और प्रबंधन में व्यापक ज्ञान प्राप्त करने के लिए अत्याधुनिक और नवीन खाद्य प्रौद्योगिकियों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। पाठ्यक्रम में दूध प्रसंस्करण, ग्रेन मिलिंग एवं आरटीई खाद्य पदार्थों, और आलू चिप्स के प्रसंस्करण एवं उत्पादन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी



प्राप्त करने के लिए कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) डेयरी, मैसूर, सीएफटीआरआई, मैसूर, और आईटीसी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, नंजनगुड, का दौरा आयोजित किया गया। सहायक

निदेशक डॉ आर कुमार ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का समापन पाठ्यक्रम निदेशक डॉ वी वासुदेवन, वैज्ञानिक 'ई' के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

## डीआरडीओ का सेंट्रल जोन टीटी प्रतियोगिता

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखपट्टनम ने 7-9 अगस्त 2024 के दौरान डीआरडीओ सेंट्रल जोन टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया। डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम), ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जबकि डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

महानिदेशक (एनएसएंडएम) ने डीआरडीओ कर्मियों के बीच उनकी तकनीकी गतिविधियों के अलावा फिटनेस के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि यह प्रतियोगिता विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के बीच संबंध बनाने का एक साधन है।



एनएसटीएल के निदेशक ने अपने संबोधन में पेरिस में 2024 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के जुनून और समर्पण का उल्लेख किया और उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। आयोजन अध्यक्ष श्री टी रामू वैज्ञानिक 'ई' ने प्रतियोगिता का विवरण प्रस्तुत किया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता

में एनएसटीएल सहित भाग लेने वाली प्रयोगशालाएँ (08), कुल 104 खिलाड़ी शामिल थे। इस प्रतियोगिता में टीम चौम्पियनशिप, पुरुष एकल एवं युगल, महिला एकल एवं युगल, वेटेरन एकल एवं युगल, तथा मिश्रित युगल शामिल थे। प्रतियोगिता में आरसीआई, हैदराबाद, विजेता रहा, तथा एनएसटीएल, विशाखापत्तनम, उपविजेता रहा।



## डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुक

### केयर, बेंगलुरु

✽ वाइस एडमिरल तरुण सोबती, एवीएसएम, वीएसएम, डिप्टी चीफ ऑफ नवल स्टाफ (डीसीएनएस), तथा रियर एडमिरल कुणाल सिंह राजकुमार, वीएसएम, फ्लैग ऑफिसर डॉक्ट्रिन एंड कॉन्सेप्ट्स, ने 20 जून 2024 को केयर, बेंगलुरु, का दौरा किया।

✽ 23 जुलाई, 2024 को वाइस एडमिरल आरबी पंडित, पीवीएसएम, एवीएसएम (सेवानिवृत्त), ओएसडी सचिव, एनएससीएस, तथा वाइस एडमिरल सूरज बेरी, एवीएसएम, एनएम, वीएसएम, सी-आईएन-सी एसएफसी, ने केयर का दौरा किया। डॉ. ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर द्वारा एक ब्रीफिंग की गई, जिसके बाद केयर द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर चर्चा एवं प्रदर्शन किया गया।

### डीआरडीओ मुख्यालय, दिल्ली

श्री संजीव जिंदल, अतिरिक्त सचिव (पुलिसआधुनिकीकरण एवं आपदा प्रबंधन), गृह मंत्रालय, ने 9 जुलाई 2024 को डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा किया और डॉ. (श्रीमती) चंद्रिका कौशिक, महानिदेशक (पीसी एंड एसआई) तथा कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी), के साथ बार्तालाप की। अपनी बातचीत के दौरान, श्री संगीता राव आचार्य अडांकी, निदेशक, डीएलआईसी, ने डीआरडीओ और गृह



वाइस एडमिरल तरुण सोबती, एवीएसएम, वीएसएम, डीसीएनएस, केयर, बेंगलुरु, में

मंत्रालय के बीच सहयोग पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। श्री संजीव जिंदल गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (आपदा प्रबंधन) के पद पर भी हैं। निदेशक, डीएलआईसी ने उन्हें आपदा प्रबंधन अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित पचास से अधिक उत्पादों के बारे में जानकारी दी।

श्री जिंदल का मानना था कि यह उपकरण आपदा प्रबंधन बलों के लिए उपयोगी साबित होंगे, और उन्होंने इसे महानिदेशक एनडीआरएफ को भेजने की सलाह दी।

### दिहार, लेह

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो० अजय कुमार सूद, ने

4 जुलाई 2024 को रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार), लेह, का दौरा किया। डॉ. ओपी चौरसिया, निदेशक, दिहार ने उन्हें दिहार द्वारा की जाने वाली अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दिहार के प्रायोगिक क्षेत्रों का दौरा किया और ग्रीनहाउस प्रौद्योगिकी, दोहरे कूबड़ वाले ऊंट, तथा सौर तापीय प्रौद्योगिकी में रुचि दिखाई। उन्होंने उच्च ऊंचाई वाली कृषि में कई नए रास्ते और स्थानीय किसानों के पारिस्थितिकी तंत्र और सैनिकों के लिए योगदान को शामिल करने वाले अद्भुत काम के लिए दिहार की सराहना की।



श्री संजीव जिंदल को सम्मानित करते हुए डॉ. (श्रीमती) चंद्रिका कौशिक



प्रो० अजय कुमार सूद दिहार, लेह, में अपने दौरे के दौरान

### डिपास, दिल्ली

मेजर जनरल धर्मेश, एडीजीएफएमएस (एमआर एंड एच), ने 26 जुलाई 2024 को रक्षा शरीर क्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली, का दौरा किया। डॉ राजीव वार्ष्णेय, निदेशक, डिपास ने उनका स्वागत किया और डीजीएफएमएस के सहयोग से पर्यावरणीय चरम सीमाओं के तहत विभिन्न उपलब्धियों और चल रहे अध्ययनों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की तथा उच्च-ऊंचाई शरीरक्रिया विज्ञान, ह्यूमन फैक्टर अनुसंधान, सैन्य पोषण, तथा सशस्त्र एवं अर्धसैनिक बलों के लिए विकसित विभिन्न उत्पादों के क्षेत्रों में चल रहे अत्याधुनिक अनुसंधान एवं योगदान की सराहना की।

### डीएमएसआरडीई, कानपुर

✽ डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस), ने 2 अगस्त 2024 को रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), का दौरा किया। उनके साथ डॉ डीटी सेल्वम, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक (पीएम) महानिदेशक कार्यालय (एलएस), तथा श्री जी श्रीपति, वैज्ञानिक 'एफ', डेबेल, बेंगलूरु, भी थे। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने महानिदेशक (एलएस) का स्वागत किया और डीएमएसआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया।

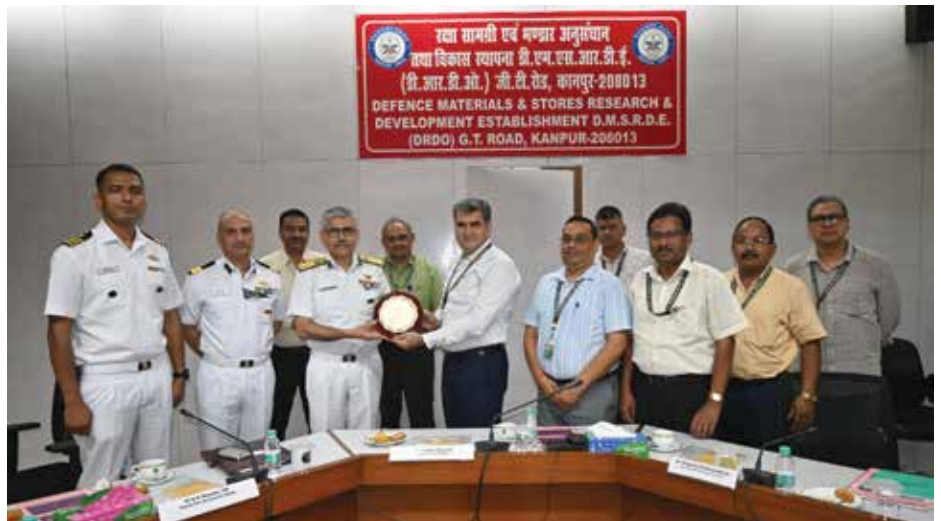
✽ 18 जुलाई, 2024 को भारतीय तटरक्षक बल के आईजी एचके शर्मा, टीएम, उप महानिदेशक (एमएंडएम) ने डीएमएसआरडीई का दौरा किया। उनके साथ डीआईजी मनोज पांडे, प्रधान निदेशक (इंडीजी); कमांडेंट (जेजी) विकास मेहरा उप निदेशक (इंडीजी); तथा श्री आशीष सिंह, संयुक्त निदेशक, डीआईएसबी, डीआरडीओ मुख्यालय भी थे। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक



मेजर जनरल धर्मेश डिपास, दिल्ली, में



डॉ यूके सिंह डीएमएसआरडीई, कानपुर, में अपने दौरे के दौरान



डॉ मयंक द्विवेदी डीएमएसआरडीई, कानपुर, में आईजी एचके शर्मा को सम्मानित करते हुए



एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने उन्हें डीएमएसआरडीई की तकनीकी गतिविधियों और चल रही अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने डीएमएसआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की सराहना की।

### इनमास, दिल्ली

5 जुलाई, 2024 को, मेजर जनरल धर्मेश, एडीजीएफएमएस (एमआरएंडएच), ने नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली, का दौरा किया और परमाणु आपात स्थितियों के लिए तैयारियों के क्षेत्र में की जा रही अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का अवलोकन किया। डॉ सुधीर चांदना, निदेशक, इनमास ने इनमास के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और इनमास में उपलब्ध गतिविधियों, प्रमुख क्षेत्रों और अनुसंधान सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। एडीजीएफएमएस (एमआरएंडएच) को बायोडोसिमेट्री लैब, ड्रग डेवलपमेंट लैब, एनएमआर सुविधा, साइक्लोट्रॉन, और PET इमेजिंग सुविधा एवं परमाणु चिकित्सा विभाग का भ्रमण कराया। अपर महानिदेशक, वायुसेना (एमआरएंडएच) ने मोबाइल रेडिएशन बायोडोसिमेट्री लैब, सीबीआरएनई मेडिकल और रिस्पांस मैनेजमेंट एडवांस्ड ट्रेनिंग, तथा सैनिकों द्वारा सामना की जाने वाली चिकित्सा बीमारियों के पूर्वानुमानात्मक मॉडलिंग के लिए बायोमार्कर विश्लेषण दृष्टिकोण में गहरी रुचि व्यक्त की।



डॉ सुधीर चांदना मेजर जनरल धर्मेश को इनमास उत्पादों के बारे में जानकारी देते हुए



माननीय आरआरएम श्री संजय सेठ के साथ डॉ बीके दास तथा श्री गमपाला विश्वम

### एलआरडीई, बेंगलुरु

❖ 15 जुलाई 2024 को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु, को माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ का स्वागत करने का विशिष्ट सम्मान प्राप्त हुआ। इस दौरे का उद्देश्य रडार के क्षेत्र में एलआरडीई में अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास को प्रदर्शित करना था। माननीय रक्षा राज्य मंत्री के आगमन पर

डॉ बीके दास, महानिदेशक (ईसीएस) तथा श्री गमपाला विश्वम, निदेशक, एलआरडीई एवं प्रतिष्ठान के अन्य प्रमुख सदस्यों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण एलआरडीई द्वारा विकसित एवं विकसित की जा रही प्रौद्योगिकियों के विभिन्न उत्पादों एवं मॉडलों को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का विस्तृत दौरा था। बाद में माननीय रक्षा राज्य मंत्री ने संबोधन दिया तथा एलआरडीई द्वारा पिछले वर्षों

में की गई प्रगति की सराहना की और देश की रक्षा की आवश्यकताओं के लिए एलआरडीई की सभी परियोजनाओं/कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत सरकार के आत्मनिर्भरता लक्ष्यों को पूरा करने में सरकार का पूर्ण समर्थन भी व्यक्त किया।

❖ डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ तथा श्रीमती यू जेया संधी, उत्कृष्ट



डॉ बीके दास, डॉ गमपाल विश्वम, और एलआरडीई टीम के साथ डॉ समीर वी कामत तथा श्रीमती यू जेया संधी, एलआरडीई, बेंगलुरु, में मई दिवस स्मरणोत्सव समारोह के दौरान

वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर), ने 16 जुलाई 2024 को एलआरडीई का दौरा किया। डॉ बीके दास, महानिदेशक (ईसीएस) तथा श्री गमपाल विश्वम, निदेशक, एलआरडीई, ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

डॉ कामत ने एलआरडीई में मई दिवस स्मरणोत्सव समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर उन्हें निदेशक, एलआरडीई, ने सम्मानित किया। मई दिवस समारोह के लिए यह दौरा एलआरडीई कर्मचारियों के लिए मनोबल बढ़ाने वाला रहा। यह उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की पहचान थी, जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा में उनके योगदान के महत्व को पुष्ट किया। इस दौरे के दौरान, अध्यक्ष को वर्तमान परियोजनाओं, भविष्य की प्रौद्योगिकियों, मानव संसाधन गतिविधियों और व्यय तथा बुनियादी ढांचे का व्यापक अवलोकन कराया गया। बैठक में डॉ दास तथा श्री विश्वम एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बाद में, डॉ कामत ने प्रदर्शन क्षेत्र का दौरा किया, जहां एलआरडीई द्वारा विकसित

विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया।

डॉ कामत ने एलआरडीई सभा को संबोधित किया और उल्लेख किया कि एलआरडीई डीआरडीओ की उच्च प्रदर्शन करने वाली प्रयोगशालाओं में से एक है। उन्होंने सशस्त्र बलों को रडार प्रदान करने के लिए एलआरडीई कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

### एनपीओएल, कोच्चि

20 जुलाई, 2024 को वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ, एवीएसएम, वीएसएम, वाइस एडमिरल, कृष्णा

स्वामीनाथन ने नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, का दौरा किया। डॉ दुब्वुरी शेषागिरी, वैज्ञानिक 'एच' एवं निदेशक, एनपीओएल, ने वीएडएम कृष्णा स्वामीनाथन का स्वागत किया और उन्हें एनपीओएल स्मृति चिन्ह भेंट किया।

संबंधित परियोजना टीमों ने चल रही परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण दिया। मुख्य अतिथि ने प्रदर्शनी क्षेत्र का दौरा किया, जहाँ एनपीओएल ने प्रदर्शन पर विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया।



नौसेना उप प्रमुख को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए डॉ दुब्वुरी शेषागिरी